



नैजानमः शीकृडि वायं
 योऽहमे वाङ्मसुपुनं
 वाङ्मसुपुनं नैजानमः
 धनवलि ॥ ६३ ॥ वज्रपूजनं ॥
 यर्जनं ॥ मृगयाटनं ॥ वज्रमा
 काममपुलादिलिखत्कामावा
 र्थन ॥ ६३ ॥ दूतलविधानं ॥
 नैधूनकावविधानं (थंयावका)
 विद्यापि (०) कामाचनं ॥ यथावि
 धानन ॥ जाय ॥ लुतिमूधिवामनी ॥

गगः ॥ यातमानादिनित्यकामः
 कृत्वा ॥ मृदादिमृयाद्य ॥ याद
 यकाल्य ॥ नैजानमः दावा (॥) य
 यजुडनं ॥ ० ॥ वलियात ३ ॥
 यजुडनं ॥ दूतलमृगयाटनं
 नैजानमः शीकृडि वायं वलि ॥ ६३ ॥
 स्वाहा ॥ दूतलमृगयाटनं ॥ ० ॥
 नैजानमः शीकृडि वायं वलि ॥ ६३ ॥
 स्वाहा ॥ दूतलमृगयाटनं ॥ ० ॥
 नैजानमः शीकृडि वायं वलि ॥ ६३ ॥
 स्वाहा ॥ दूतलमृगयाटनं ॥ ० ॥

तृप्तुद्रुहमावलि ॥ ० ॥
नामजुसु ॥ ० ॥ नैऋतकांकी
द्वैतकांकी कश्चिद्वर ॥ नैऋ
तीकांकी वदकवलि ॥ नैऋतगोदुग
हायतिवलि ॥ नैऋतकांकी
वलिगुद्राश्वाहा ॥ ० ॥
थायसादानभायावदीयाकन ॥
जायसाग ॥ निर्वर्णनिर्विकल्पव
निविमर्जन ॥ कश्चिन्मानस ॥
मृदुदावसदृशयिस्तुमधुयका
यक ॥ नावावमूर्धाधृत्वायस्तु
मधुययविश्व ॥ वीरिमर्षय
हास ॥ नैऋतकिणिकिणिविच
काक्षगायकजुसायरुद्र ॥
वाववकाश्चविधि ॥ ० ॥

तमधुयजुसुकलगायुद्र ॥
नैऋतकांकी जुसुकलगया
द्वैतकांकी युद्रयामि ॥

तगतार्थवगयमाधन ॥ ० ॥
गुप्तनसम्भावादि ॥ पूर्वदिधि ॥
नैऋतकांकी कश्चिद्वर ॥ कलदीयाय
शीघ्रवकाययाष्ट ॥ दक्षिण

द्वैत ॥ नैऋतकांकी जुसुकलगया
स्विद्रुगवकाययाष्ट ॥
डकवागमूर्धाधृत्वाय ॥ नैऋतकांकी
नाविकाययकिमवकाययाष्ट
डया ॥ यकिमलासय ॥ नैऋतकि
निश्चिद्वकाक्षनाययवायवव
काययाष्ट ॥ मध्वदीव ॥ नैऋ
तकांकी जगन्नाथगासयलिग ॥
नैऋतकांकी जगन्नाथगासयलिग
द्वैतकांकी जगन्नाथगासयलिग
द्वैतकांकी जगन्नाथगासयलिग
वतीगिने ॥ ० ॥ जगन्नाथ
न ॥ गायत्रीन ॥ नैऋतकांकी
युद्रनरिगाग ॥ मृगि युद्र
द्वैतकांकी जगन्नाथगासयलिग ॥ ० ॥

तगतार्थवगयमाधन ॥ ० ॥
नम्रान ॥ वन्दनादि ॥ मूलनष्ट
जन ॥ ० ॥

तगतार्थवगयमाधन ॥ ० ॥
नैऋतकांकी जगन्नाथगासयलिग ॥
नैऋतकांकी विद्यातवाय ॥ ० ॥
नैऋतकांकी गिवतवाय ॥ ० ॥
तुनियगयविधि ॥ ० ॥

[illegible]

नंददाससूर्यायिवायूकां
नंदज्जसितामरुनवायपाइ॥

नैऋत्यवक्रायणीयायू
नैऋतीर्लीलूं न्मुं हुंद्याययादू
कां॥ चन्द्रनादिधूर वलि ॥
नैऋतुलेसले पूर्वदिवांसिन्धा
वलिगृहकश्चारा॥ जययति
म्हा॥ जात॥ नैऋतुहुंद्याद्याश्रमणा
सर्वदावयाष्टिमिताश्रय ॥
गंगानामितामिद्धागणो। वेदू
कीश्वरा॥ कुर्यात्तालाष्टीव। श्र
वेत्यथ तादिवाक्सा। हृतवजा
लग्नकिन्द्याप्यक्तस्थानमानम४॥
हुंतियूर्वदावदूडा ॥ मन्त्रा ॥

यद्विषयद्वय ॥

नैऋतं अवटवृक्षा ययादूकां ॥
 नैऋतं विशाखा वययादूकां ॥
 नैऋतं कौश्लं गवाययादूकां ॥
 नैऋतं गुरुन्धूना ययादूकां ॥
 नैऋतं वृषभं ववाययादूकां ॥
 नैऋतं खैका मायीयादूकां ॥
 नैऋतं मर्मि मर्मि यमाययादूकां ॥
 चन्द्रनादिया दूका वलि ॥ ॥

नडंयदिगदिगामिश्चावलिगृह्ण २
म्राह ॥ जाययतिष्ठा ॥ याम्या
दिगणमर्चकृत्यादि ॥ अगर्गं
दिगुतिदक्षिणदावाचनं ॥ १ ॥

ममा

रतायचिमदावाचनं न्यामादि ॥

नडं निम्बवृक्षायादुका ॥

नडं निवृत्तिदावाययादुका ॥

नडं वृक्षमथययादुका ॥

नडं पुष्पाययादुका ॥

नडं उन्मत्तकरोववाययादुका ॥

नडं जीवावालीयादुका मध्ये ॥

नडं वाँवाँवूँ वाँ ववृणाययादुका ॥

का ॥ चन्दना ॥ दि ॥ नडं य

दिमदिगामिश्चावलिगृह्ण २ म्रा

ह ॥ जाय ॥ यतिष्ठा ॥ ताग ॥ या

वात्यामृगणमर्च ॥ अगर्गं

दि ॥ उन्मत्तियचिमदावयूडा ॥ ममा

नताकवदावाचनं ॥ ० ॥

नडं अश्वत्थवृक्षायादुका ॥

नडं यतिष्ठादावाययादुका ॥

नडं गनिष्ठवाययादुका ॥

नडं वारुवयादुका ॥

नडं यँडीवणाययादुका ॥

नडं यँवीवामृणाययादुका ॥ मथ्य ॥

नडं यँवीवामृणाययादुका ॥

चन्दनादिव ॥

नडं उन्मत्तकरोववाययादुका ॥

म्राह ॥ जाययतिष्ठा ॥ ताग ॥

नडं यदादिगणमर्चकृत्यादि ॥ अग

गर्गं ॥ उन्मत्तकरोववाययादुका ॥ ० ॥

ममा

अगर्गं ॥ नडं तालवृक्षायादुका ॥

नडं वीवृक्षेववाययादुका ॥

नडं वीमारुग्धवीयादुका ॥

नडं वाँवाँवूँ वाँ ववृणाययादुका ॥

यादुका ॥ चन्दना ॥ दि ॥ जाय ॥

यतिष्ठा ॥ ताग ॥ अगर्गं ॥ दिगणमर्च

॥ अगर्गं ॥ दिगुतिदक्षिणदावाचनं ॥ ममा

नताक ॥ नडं कदम्बवृक्षायादुका ॥

नडं वीवृक्षेववाययादुका ॥

नडं वीवृक्षेववाययादुका ॥

नडं वीवृक्षेववाययादुका ॥

नडं वीवृक्षेववाययादुका ॥

जाययतिष्ठाताग ॥ नडं वाँवाँवूँ

सादिगणमर्चकृत्यादि ॥ उन्मत्तियचिमदावयूडा ॥ ममा

वायय ॥ नडं कदम्बवृक्षायादुका ॥

प्रजया ॥ जै ५ र्य कयाल रेव वाय
याद ॥ जै ५ र्यी लुं न्यायणी यादू का ॥
जै ५ र्यी यी युं मायिवना धियतय
यादू डया मि वृ चन्दना दिवलि ॥
डाययतिष्ठा ॥ गाय ॥ जै ५ वाद्यादि
गणसध्वं जूगं धा लुं ति वायद्या
दिदावाचन ॥ - ५६ ६३ ३० - ॥

लुं गान ॥ जै ५ सुकवृत्ताय यादू का ॥
जै ५ र्यी सीलावडे व वाय यादू का ॥
जै ५ र्यी मरुतल न्दी यादू का ॥
जै ५ र्यी कौं डी कू डू लुं गानाय यादू
काय ॥ चन्दना दिवलि ॥ डाय
यतिष्ठा ॥ गाय ॥ जै ५ र्यी गानादि
गणसध्वं ॥ लुं ति लुं गानादिग ॥
मेमा

मूड ॥ जै ५ विधि निवृत्ताय या
दू का ॥ जै ५ र्यी सयाताला धियत
थयादू का वलि डाय ॥ यतिष्ठा ॥
गाय ॥ जूधमिता गणसध्वं लुं ति ॥
मेमा

डूड ॥ जै ५ याविडा तवृत्ताय यादू ॥
जै ५ र्यी डी सावाय यादू का ॥
चन्दना दिवलि ॥ डाय ॥ यतिष्ठा ॥
गाय ॥ डडादि गणसध्वं ॥ लुं ति लुं ॥

मध ॥ जै ५ र्ये सलेयुज नं जू र्य
गादकन दमि मिचन ॥ वन्ता ॥ वयल
वी ॥ र्यचङ्ग काम नङ्ग यताय कू र
र्यचयण वण ॥ लुं ति दावाचन विधि ॥ मेमा

मा ततः कलमयमर्ण ॥ विधावर्ति ॥ ग
किं दवगिवलि व ॥ कलमद्ववज्ज
वायद्वयन ॥ जू र्योदकन मिचन ॥
जू र्यावन ॥ रुले सले ॥ जै ५ र्यी
लाकयाला ॥ म्वायू धा मनङ्गा उव ॥
जै ५ र्यी यरू र्म वद्वणा धाय विद्यानां
धमनाय वायूर्यमवारुता म्वायस
नङ्गुनि वारू या ॥ ५ ॥
तडाउ नवयू गली गलदद्य कू उध
वैधुविर्त वक्ता ॥ लुं ति वणवर्म उव
वमा मेना मृते ॥ धुविर्त ॥ धावायान
सरुसकाटि कि वणे धुन्दधवर्त
धुधो धावे वं धुविर्त वितया द्यय
रवत्सा द्वात्वर्य रेव व ॥ ० ॥
वित्ते वल्यविकाग वाधजननी सर्वा
र्थकू र्वी दुरुत दीणा मवविद्यक
यविनमया शोवालय ॥ दयाः ॥
गाका वक्ता पिनि सुवर्ग गवमा धावा
मुता वधि ॥ काया कू र्म म्वा म्वा
मृतमया यी खातयात मवा ॥ ० ॥

शीसंनर्कयिष्य ॥ कीधनतगिव
दकगकिवाभ ॥ ततः शिवासन
नष्टजन लखसाय ॥ न्यासादि ॥
जैः अक्षावादि ॥ वृषामनाय
यादकां ॥ जैः मिहामनायया ॥
जैः यवयतामनाययादकां ॥
हृदयदियठंग ॥ वकांग ॥
रुलेमले अथाववकावतीनि ॥

ततः कलंगपूजा ॥ पूर्ववत्तदावा
कमतपूर्वदावादि उद्धातं पूजनी ॥
जैः गंगीपूलेगो गः कलंगले
धुवाययादकां ॥ गलयनिकलंग ॥
जैः वाडगुवृमूकथियादकां गुवृ ॥
॥ जैः वाडकययालाययाद ॥
कय ॥ जैः याडयागिनीयायाद
॥ यागिनी ॥ ० ॥ जैः रुलेगानि
काययादकां ॥ ॥ गानिका ॥ ॥
जैः रुलेयूषिकाययादकां ॥ वासु ॥
असु ॥ जैः रुलेडयादिकलम ॥
॥ कममपुलाचनं मुण्डुलि ॥ गुवृम
पुलाचनं ॥ ॥ जैः बूनागवाड
ययादकां ॥ अष्टकल ॥ ॥
जैः वृयदाययादकां ॥ जैः मू

यदणीयादकां ॥ ० ॥
जैः सैलेयी धिययादकां ॥
जैः सैलेलीयादकां ॥

श्रीकण्ठनाथदातकास्य ध्यान ॥
वृषमममिर्तदर्व ववर्षु ॥
जैः मूगुयाडलि ३ ॥ अथा
ववकावतीनि ॥ ० ॥
मूनकलगाचनं ॥ ॥
गुवृमपुलाचनविधाननवन्द
नादिमूदादगर्त ॥ जैः डमाय
रगवृयिले लिगवृयधवायव
गंकावायनममृष्टमक्रान्तरु
कावणी ॥ यथेदकतयत्तनउ
गवन्मखवकाण ॥ वदणीयडग
नाथमवधिववनवया ॥ ० ॥
वलि ॥ जाय ॥ यतिम् ॥ धूयदी
यादि ॥ आग ॥ वत्तावधि ॥ ० ॥
जैः मुकिश्चिदवतानामिकल
मूनदीतीर्थगंगादिताय वृ
पुर्वन्नायधीडि ४ रुलकूमम
यूतेशुकमलयवन विद्याना
धर्मरुडकलसविषदर्वसर्व
यस्यममर्तदर्वकूममूनिनि
वगगतिमयमंगलीमंगलाना ॥

अथादकायुड्यामि ॥ ० ॥

अग्नि कृष्णसक्ता ॥ उच्यते ॥

जैः किं निश्चिन्तयता यः ॥

जम्बाय रुद्राक्षं ॥ लिख ॥

जैः कलेन नमः अथाव अथावा

सूखी वक्रव्याय कववाय यादू

का अमृगुण ॥ २ ॥ जैः क्रीड ॥ य

नूलनी ॥ ३ ॥ जैः कृष्णवर्ण ॥ धन

४ ॥ जैः समीकवर्ण ॥ ५ ॥ माथरन

गुणैः श्रीसुवर्ण ॥ ६ ॥ जैः कृष्णद्वय

टनी ॥ लिख ॥ समीकवर्ण ॥ ७ ॥ य

जैः क्रीड ॥ लिख ॥ जैः

रगवती नैया ॥ लिख ॥ जैः

श्रीगोवर्ण ॥ ११ ॥ कृष्णकृष्ण

नकादगमसक्ता ॥ ० ॥

नवमायानयुडनः ॥

जैः रुद्रयादकाः ॥

आनायुक्तं अमृग ॥

जैः किं निश्चिन्तयता यः ॥

जैः नमाउगवती ॥ कृष्णव

खाय ॥ ३ ॥ ॥ जैः

कृष्णकाय विद्वद् अमृग ॥

जैः अथाव नवीकवर्ण कृष्ण

गायत्री नवकृष्ण ॥ ० ॥

जैः अथाव नवीकवर्ण कृष्ण

जैः अथाव नवीकवर्ण कृष्ण

जैः कृष्णकायतिष्ठताम् ॥ ० ॥

तत्समं नमः कृष्णकायतिष्ठताम्

वर्णविधाय ॥ ० ॥

जैः अमृगवर्ण ॥

जैः कवचनममिध ॥

जैः अमृगवर्ण ॥

जैः कवचनाममृगुण ॥

जैः गङ्गाप्रयादका ॥

जैः कृष्णलनीमध्वनिद्वि

मनाययादका अग्नि कृष्णमध्व ॥

कमवर्कलिख ॥

अथवामवर्गद्वय ॥

जैः रुद्रयादकाः ॥

जैः रुद्रयादकाः ॥

जैः क्रीड ॥ लिख ॥ जैः

रगवती नैया ॥ लिख ॥ जैः

श्रीगोवर्ण ॥ ११ ॥ कृष्णकृष्ण

नकादगमसक्ता ॥ ० ॥

नवमायानयुडनः ॥

जैः रुद्रयादकाः ॥

ॐ ५ मः पुत्रासं दीवतनं ॥ ॥
ॐ ५ पुत्रासं ॥ ॥
ॐ ५ ददयन उधानं
ज्वावाकधनमूडा ॥ ॥

ॐ ५ अमृणकाकृज्जुका ५५
गायत्रीनाकाकृजय ॥ ५५
ॐ ५ कांकीकृं वं वं वं गिरव
काकृनिधाय ॥ ॥

ॐ ५ गिरव नकाकृनिधाय ५५
॥ मध्ययुद्ध ॐ ५ डाजमू
स्वीकृ कृडिकाविद्ययादृका ॥
कृणुमध्य ॥ ॐ ५ दालामूर्खी
ॐ ५ कायालिकाविद्ययादृ ॥
काकृदकृणकाकृ ॥ ॥

ॐ ५ यूपुमूर्खीयां कृडिकामा
त्रिकाविद्ययादृ ॥ स्वामका ॥
ॐ ५ काकमूर्खीकाकृडिका
विद्ययादृकाकृणुमा ॥ ॥

कृणुनवाज्जुवज्जतिनं ॥ मिश्राय सि
ॐ ५ कृं कृं कृं मूर्खीमानीय ॥ मत्त ॥

ॐ ५ कृं कृं कृं मूर्खीमानीय
यादृका ॥ कायादागिमिधू
॥ ॐ ५ अमृणनिर्मकृन
मध्ययिवायिकन ॥ ५ कायाका ॥

वलिदृडा ॥ ॐ ५ मयसयनुय
रुगायकृताकृविमृक्तायकृ
ताविद्यककृवस्तनगृनिगि
वाकृया ॥ ॥ गयाकृति ॥ अमृण
ॐ ५ कायादागिमिधूका ॥ ५५
दृगृण ॥ कायादागिमिधूका
अमृण ॥ ॥ ॥ ॥

ददयनसिचनं ॥ गायत्रीनकाकृ ॥
ॐ ५ वेधनवायविद्ययादृ ॥
गयागिरकीकृय ॥ डीनयर्थधेन
वृकृत ॥ अमृणनका ॥ कवचता
वगृणनं ॥ ॐ ५ मयसयमिगिदृय
गतामृगिगृदीता ॥ ॥

ॐ ५ कृं कृं कृं मयसयमनका
वृकृति ॥ ॥ ॐ ५ कृं कृं मयसयमनी ॥
मूलकृददयनकाकृत ॥ यजमा
नस्यमृमृककायनिमित्ताधेन ॥
ॐ ५ काकमयकाय ॥ ॥

ददयादिनामृगिदृकृत ॥ ॥
ॐ ५ कृं कृं कृं मयसयमनी ॥
ॐ ५ कांकां कृं वद्विचतनायका ॥
ॐ ५ मयसयकाय ॥ ॥
ॐ ५ मयसयकायमिधूविद्यया
सिमाकृणुमयव ॥ यागिनीमृ

सि सर्वश्रुतिपीठमुक्त
उडा ॥ १ ॥ पूर्वदिशि गगने
व पद्मिमा कनकवत् । श्रुति
सर्वश्रुति गगनमुक्त
दवता ॥ २ ॥ नैव नैव
सर्व श्रुति वः श्रुति गगनीनी ।
श्रुति वः श्रुति विविध श्रुति
बुद्ध गगनीनि ॥ ३ ॥ विनाय
क कृता वः श्रुति सययम
कवी । श्रुति वेला कया ली च
श्रुति वः श्रुति वः श्रुति ॥ ४ ॥ श्रुति
निधय न कृता या गगनीनी
लेव वः श्रुति मा सः श्रुति
नि श्रुति गगनीनी वः श्रुति
॥ ५ ॥ सः श्रुति वः श्रुति
कली का सः श्रुति श्रुति
श्रुति वः श्रुति श्रुति गगनीनी
श्रुति ॥ ६ ॥ श्रुति वः श्रुति
य गगनीनी श्रुति श्रुति
श्रुति गगनीनी श्रुति श्रुति
विधि ॥ १ ॥ श्रुति गगनीनी
श्रुति कली का सः श्रुति
श्रुति वः श्रुति श्रुति गगनीनी
श्रुति ॥ ८ ॥ श्रुति वः

जायमाना श्रुति गगनीनी
श्रुति श्रुति श्रुति श्रुति
यः श्रुति श्रुति ॥ ९ ॥ श्रुति
श्रुति श्रुति श्रुति श्रुति
श्रुति श्रुति श्रुति श्रुति
दवता ॥ १० ॥ १ ॥

हृदयमनुनमिनकात ॥
नैव श्रुति श्रुति श्रुति
श्रुति श्रुति श्रुति ॥

निलनगुधनश्रुति
श्रुति श्रुति श्रुति ॥ ० ॥

वदीश्रुति ॥ श्रुति श्रुति ॥
नैव श्रुति श्रुति ॥ श्रुति
कली का सः श्रुति श्रुति ॥ १ ॥
नैव श्रुति श्रुति ॥ २ ॥
नैव श्रुति श्रुति ॥ ३ ॥
नैव श्रुति श्रुति ॥ ४ ॥
नैव श्रुति श्रुति श्रुति
श्रुति श्रुति श्रुति श्रुति
श्रुति श्रुति श्रुति ॥ ० ॥
श्रुति श्रुति ॥ श्रुति ॥ १ ॥
नैव श्रुति श्रुति श्रुति श्रुति

दूकां पूजयामि ॥ १ ॥

जै० सुडालंधवयी भययादूकां ॥ २ ॥

जै० सुडालुगिरित्री भययादूकां ॥ ३ ॥

जै० सुका मययी भययादूकां ॥ ४ ॥

यतली भयमवविलि ॥ ० ॥

जै० लाली सुं दुं लायवदरुमा

यकादूकां पूजयामि ॥ १ ॥

जै० बां बां सुं मययादू ॥ २ ॥

जै० सां सां सुं यसाययादू ॥ ३ ॥

जै० दां दां सुं न सत्यायया ॥ ४ ॥

जै० बां बां सुं वरुणाययादू ॥ ५ ॥

जै० यां यां सुं वायवाययादू ॥ ६ ॥

जै० सां सां सुं कवचाययादू ॥ ७ ॥

जै० हां हां सुं गुणाययादू ॥ ८ ॥

जै० मं मं सुं मृडाययादू ॥ ९ ॥

जै० उं उं सुं ययादू ॥ १० ॥ धनदिग

जै० मं मं सुं ययादू ॥ ११ ॥ धाल

जै० रुं रुं सुं ययादू ॥ १२ ॥

जै० रुं रुं सुं ययादू ॥ १३ ॥

जै० रुं रुं सुं ययादू ॥ १४ ॥

जै० रुं रुं सुं ययादू ॥ १५ ॥

जै० रुं रुं सुं ययादू ॥ १६ ॥

जै० रुं रुं सुं ययादू ॥ १७ ॥

जै० रुं रुं सुं ययादू ॥ १८ ॥

जै० यणीताय दुमासुनयादू ॥

जै० आत्मा मनाययादूकां ॥

जै० अमुनजयदिकानमि ॥ ३ ॥

नं ॥ कवचनयतर्यण ॥

जै० नकुणनसमाहुनि ॥ ॥

जै० डीजुमृतागं गाययादूकां ॥

जै० डीजुमृतागं गाययादूकां ॥

जै० डीजुमृतागं गाययादूकां ॥

जै० डीजुमृतागं गाययादूकां ॥

जै० डीजुमृतागं गाययादूकां ॥

जै० डीजुमृतागं गाययादूकां ॥

जै० डीजुमृतागं गाययादूकां ॥

जै० डीजुमृतागं गाययादूकां ॥

जै० डीजुमृतागं गाययादूकां ॥

जै० डीजुमृतागं गाययादूकां ॥

जै० डीजुमृतागं गाययादूकां ॥

जै० डीजुमृतागं गाययादूकां ॥

जै० डीजुमृतागं गाययादूकां ॥

जै० डीजुमृतागं गाययादूकां ॥

जै० डीजुमृतागं गाययादूकां ॥

जै० डीजुमृतागं गाययादूकां ॥

जै० डीजुमृतागं गाययादूकां ॥

जै० डीजुमृतागं गाययादूकां ॥

जै० डीजुमृतागं गाययादूकां ॥

मूक्तमिगलीयुठनगालं ॥ ० ॥

मूक्तवद्वोसिचनं ॥

कवचनतायनं धरवाच ॥

ॐ मूक्तमकुलं ॥

गुवा मूक्तमालीमुदकमुत्था ॥

ॐ कूटानामुनडत्यवनं ॥

द्वयनआत्मसंमुखं ॥

संयवनं ॥ कवचनआत्माद्युदणं ॥

मूक्तविद्वानमकुलं ॥

मूक्तः पायकुरुवद्वो मूक्त

पायकुरुवद्वो मूक्त

नारुथं सर्वसाधुपतिष्ठितं ॥

गुवासर्वमूलस्वयणीतमत ॥

गुवालीनमूक्तमालीनां कूटानाम

नमत ॥ धवकुदम ॥ ० ॥

गुवासकानयिनकुं ३

ॐ द्वयमकुलं ॥ ॥

गुवा मूक्तमालीयुठनं ॥

ॐ हरे निखासुक्तन्यकुडि

कधवाययादकांशुविकुडिका ॥

ॐ सैलेकुडिकधवाययादकां ॥

ॐ कीलीकुं सैलेववणवण ॥

मूक्तमालीयुठनं ॥

मूक्तमालीयुठनं ॥

मूक्तमालीयुठनं ॥

वक्ता मूक्तमालीयुठनं ॥

त्यागमहितनद्युताकृति ॥

ॐ मद्याङ्गतायमाली ॥

ॐ वामदवायमाली ॥

ॐ अद्यावायमाली ॥

ॐ तल्यव्यायमाली ॥

ॐ लुङ्गीनायमाली ॥

ॐ जां मूक्तमालीयमाली ॥

ॐ की विद्यातल्यमाली ॥

ॐ गिवतल्यमाली ॥

मेषयणीतनिधाय ॥

रुतामूक्तमालीयमाली ॥ निरुता

ॐ द्वयनमूक्तमालीयमाली ॥

ॐ यमवनायमाली ॥ २

ॐ गिवमिमकुलनगीतकानय

नायमाली ॥ २० ॥

ॐ निखाङ्गताकमयिमाली ॥ २

ॐ कवचननिष्कमनायमाली ॥ २

ॐ हरे सैले मूक्तमालीयमाली

कूटानयमाली ॥ ० ॥

ॐ मूक्तमालीयमाली ॥

ह्रीं नमः पूज्यविक्रमवृत्तकरणा
यन्माहा ॥ नमः पूज्यविक्रमवृत्तकरणा
रदायन्माहा ॥ १ ॥

नैऋतदिग्गवक्कणवदूकव
नायम्मारु ॥ ७ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

नं० यद्धिमवकूनविवाहाय
हायच्चाहा ॥ ० नं० रुस्सलदिगाय

नैऋत्यवायव्यवक्त्रेण च
थयिस्मारा ॥ मृगशिरा ॥

वृत्तीनीवकुणजग्नियुष्मि ॥ ० ॥

जै ७ गुरुविनायकमः ॥
 दत्तदशगणेशपूजकः ॥

शिः मचलिकावयूकसक
लगुणमृत्तमकडिक्कानिर्गलि

यवधीशु प्रवाग्निं सह न व व स
ना कृद्धि काग्नी स भर्ग लाङ्ग

मूल्याद्युतनादुतिमरुविधि
नामूयतिष्ठान्दुनित् ॥ ॥

मातायितृविमर्द्धने ॥
ॐ त्र्यगिदगक्रियाविधि

समाकमिति॥ ० ० ॥

नगामूलनशूलादगममि
द्वयमकावयदिति ॥

लेखवर्मितांगादिव्या
गाद्यसूक्तकृततथीकृद्धि

कार्गि ॥ वक्रादिद्यादन ॥
नैऋत्यमहाद्वाराय स्वाहा ॥

ॐ वामदेवाय नमः ॥
ॐ सूद्याय नमः ॥

न ७ तल्लू नू वाय म्माह ॥
न ८ लू गानाय म्माह ॥

यकुर्मधार्न ॥ ७ नो ॥ दिम ॥
नैमडाडातायवासदवा

यन्माह॥ नि० वामदक्ष
द्यानायन्माह॥ नि०

वायनन्यूनवायम्वारु ॥ ० ॥
नैऽतत्यववाय०००॥नाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वंदे श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

कर्मधान ॥ ८६०३३ ॥

मध्याह्निकवासदेव
नूद्यावतलूनसुखीगाना

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नशाद्यात ॥ ० ॥
 जे ६ नृगिधामायां मारु
 लालायनूकर्म ॥ डिक्का
 रामी ॥ जे ७ युं बाड्याये
 मारु ॥ पूर्व ॥ २ ॥
 जे ८ लुं दाद्यडनये मारु
 हा ॥ ज्ञाप्रय ॥ २ ॥
 जे ९ वृं मृनूदाये मारु
 हा ॥ दन्दिणे ॥ ३ ॥
 जे १० पुं गृं काविकाये
 मारु ॥ नैजय ॥ ४ ॥
 जे ११ वृं वमीकाये मारु
 ॥ वावृयाः ॥ ५ ॥
 जे १२ मुं डचाटनये मारु ॥
 वाययांदिनि ॥ ६ ॥
 जे १३ दूं जूर्यदाये मारु ॥
 डकनदिनि ॥ १ ॥
 जे १४ मूकिदाये मारु ॥
 डी लुं गानदिनि ॥ ८ ॥
 जे १५ डीं मवमिडिदाये
 मारु ॥ मध ॥ ९ ॥
 लुं तिनवडिक्का
 डिक्का मधाने नाम ॥

जे १६ युं बाड्यादाद्यडनये
 मारु ॥ तथेवनवडिक्का
 धान ॥ १० ॥
 जे १७ बाड्यादाद्यडनये म
 लुं दागृकाविका वमीका
 डचाटनीयस्याप्रथदामूकि
 काविका ॥ मवमिडिदाय
 मायरुटमारु ॥ कदन ॥ ११ ॥
 जे १८ डीं मवमिडिदाये मारु ॥
 जे १९ लूं ले सी ले मारु वृं ॥ वलि प्रल
 जे २० नृगिणी कडि कारवायक
 लितकालिर्तुमयगु मवृयंगु
 मागुडाड्युकागिवमनविड
 यामूद्वकं निनग ॥ मयूरु
 यागमीनीयललमलिमरुं
 वयनीकवद्वडीवादिचाय
 वीगिवगगतिमययाहुनि
 धवीणी मारु ॥ ० ॥
 लुं तिकडा मिधान ॥ १ ॥
 जे २१ वूं वूं वकवपुं निनयन
 दहनं रेववसकडिक्का
 गकडिक्का काकववडुवधनी
 प्रवासकाद्य ॥ खद्वकं यवयता

दृतावलाकर्न ॥ वीहियागर्न
 स्तान् ॥ अमृतयागर्न ॥
 कवयनताउर्न ॥ अमृत
 ममाहुर्न ॥ यवयुगवर्न ॥
 तिलावतयवदधिदृत
 यवामृत गिद्याम्बु डाम्बी
 व वरुवरु विन्नु ममिध
 नूदमाला यारुमुय ॥०॥
 यरुमाननआवायवृडर्न ॥
 वन्दनादिता ॥ वीहियागर्न
 दायय ॥ वाक् नृगस

वा. तं वा वमं यूकं वीकणं मुदि
दानिच । कृणुतानि मवूटानि
उवूथ । यति गृह्णतां ॥ मम र्यं ॥
गायत्री न डय ॥ मूल धार ॥ १०
वै ६ नमः प्रवीध्व वीत डं या वनं
य वमं यत ॥ तस्मात्त्वदीय द
त्य द्वा ॥ मम साय तय या मित ॥
हुं त्य ग्नियार्थ या ॥ ० ॥

नै ६ रं ऐ मं ऐ मृ गित ड्य द्वा ड
टा वि काये वीका कृति मं क
त्य सिद्धि कम् ॥ ० ॥

दृता कृति कम न तिला कृति
दा वय ॥ कुरु वद क गण
यति कम न तिला कृता मृ
सितां गादि व द्वा ण्य दि ८
विया गादि रुकु कादि १०
कल म मृ डिल वय का
युणीत ददीता केयाल
मृ मृ म न तिला कृति का
वय ॥ ० ॥ तिला कृ
ति युष्म का वय ७ वाक् ॥
नै ६ न का डाला कयाला

विलु वन म हिता मात वा र्श
वा र्श व द्वा ड्य त ४ यि गा वा व द्वा
क गि वि व वा ४ य त ना गा दि य द्वा
४ जेला व मृ क ड्य ४ म गण
य वि दृ ता म णु ल मृ णु ल मृ
त ४ म किं ग नु नि ल तिल मादि
त द्वा ता नां व द्वा णु दित न म्वा र्श ॥
हुं ति तिला कृति युष्म ॥ ० ॥

तता यथा कर्म का वय ७ ॥
तता द व म्मान का वय ७ ॥
हुं ण न का णे म्मान मं ड य
गत्वा ॥ रुदयी भ स न नि धा
य ॥ म व मं ड वा दि की यू व
मृ ल मृ ल कल ग ती र्थ ल
ख न र्थ न ॥ कल ग यू ड न ॥
यू व ॥ नै ६ का वा र्श या य या
दु का ॥ नै ६ म न ना य यू व
व का य या दु का ॥ १ ॥
य दि ण ॥ नै ६ दी वा र्श वा य
या दु का ॥ नै ६ त द्वा का य द
दि ण व का य या दु का ॥ २ ॥
य द्वा म ॥ नै ६ द्वा र्श वा य

गन्धोदकमूलन

वस्त्रादक, रुतादकबीजा
शिवक, कृष्णादक ॥

भम्याल ॥ ॐ ॐ ॐ नववय
ति ॥ ॐ ॐ ॐ तायविविधाकावा ॥
जुग्री, लाहवन्का, यलाहित
लिमिनदाय ॥ ॥ साहाय ॥

स्नानकावय ॥ ॐ ॐ ॐ दय्यण
तामयाशनिधाय ॥ ॐ ॥
ॐ ॐ ॐ आदि ॥ पूर्वकल
गादितस्नानकावय ॥ ॥
गंशवन ॥ मृत्तिकादियुर्वव
तुष्टुनकर्म, स्नानयाय ॥
कवाय ॥ ॥ यल्लव ॥ ॥
यंचामृत ॥ ॥ यन्मादय ॥
॥ यंचगव्य ॥ ॥ गतमा
यधी ॥ ॥ विष्टुर्षु ॥ ॥ रस ॥
गंगासातिनद्यादकादिमूलन
स्नान ॥ मूलनगतभवसरुस
धव ॥ ॥ मूलनमकुणगशिव
नमपूवायसगम्बामरुसंवा
॥ मूलस्नान ॥ श्रीहि, लाडा
शिवक ॥ ॥ ॐ ॐ ॥ ॥ ॐ ॥

धनादिद्विवियक ॥ कवमी
यूजा ॥ चन्दनादिजुंठ
नमला, दक्षिणाविय ॥
जुंठनयदान ॥ ० ॥
ॐ ॐ ॐ मरुकाविका
थेनपुण्यायवमठ्वसुन
युक्ताय ॥ ० ॥ ॐ ॥

चन्दन सिद्धव सगुन, सरुं
म्रावधि, यतिम्राय म्रावधि ॥

यडमानेनधृत्वाशमनयाग ॥
नेमत्यदावाय मृत्तिलाहव
का, सगुणागवधि ॥ ० ॥

यडमपुयमृत्तिकायविनि
धाय ॥ ० ॥ गुवृथासादि
कावयत् ॥ गयविलस
मूलन ॥ वसुनाच्छादन ॥

कलवनधव, कलगमृत्तिल
यंचमृतेनवधुन म्रावाथने ॥
यडमान, यडमानी हितवन्त
साधन ॥ ततायवधगक्रियो ॥
धवसमीयगत्वा ॥ ० ॥
ॐ ॐ ॐ नमाशगवतीद्वतकाता

यद्वाद्ययाय यानिकल्याना
यम्वाहा ॥ नै ७ गायगा कृति
जठकल्यानायम्वाहा ॥ ० ॥
नै ७ मूलना कृति वीथियदना
यम्वाहा ॥ ॥ नै ७ नै ७ धारज
धावज्ज्यानामुखी कववा
यम्वाहा ॥ वका ३ ॥ नै ३ द
दयना कृति ३ गराधायम्वा
हा ॥ नै ७ धृ कृति काये क
नदीयाय को वसवनायम्वा
हा ॥ ॥ नै ७ द्वादी कृति ववव
गिरव द्वा गिरव द्वा गिरवाय गी
मकानयनायम्वाहा ॥ ० ॥
नै ७ कवव द्वा कृति जात कर्मा
यम्वाहा ॥ वसुनयाय तया
जाल ॥ नै ७ द्वा दयना कृ
ति जावम ॥ नै ७ नय मकुण
लाचनदद ॥ मूलनद्युत
नधूदायय ॥ मूलनजाव
मन ॥ मूलना कृति नाजीकु
दनी ॥ ० ॥
नै ७ गायगा कृति गाय
मूलनद्युति विवययाय ग
यसीनगया किल गी दव

कनसिधन ॥ नै ७ द्वा ॥ हा
नै ७ मूलना कृति डनान ॥
नै ७ गायगा कृति मद्यमृत
कनागनायम्वाहा ॥ ० ॥
नै ७ नयना कृति निश्काम
नायम्वाहा ॥ ० ॥
नै ७ ज्जुना कृति नामक
वणायम्वाहा ॥ ७ ॥
यथादवमनामलिख ॥
मूलनद्युतयागन ॥ ० ॥
मूलनजावमन ॥ ७ ॥
नै ७ ज्जुना कृति रुलया
गन ॥ मयितिनिनद्वाय ॥
नै ७ नयना कृति ज्जुनयाग
नायम्वाहा ॥ ० ॥
वदूडादवजग गामय लि
गजग रामयात ॥
मूलनाचमन
नै ७ कववना कृति द्वा कवव
नै ७ गिरवामकुणा कृति ३
कर्षुद ॥ ० ॥
चाकलरुनितियदान ॥
नै ७ गिरवया कृति ३

वातवधनः ॥

जुं० कवचनाकृति ३

मयलावधनः ॥

जुं० ददयाकृति ३

दृष्टांशिनदान

जुं० मूलनाकृति ३

दण्डयदान

जुं० गायत्रीमंजुगयज्ञायवीत

यदान ॥ गायत्रीयदान ॥

जुं० मूलनाकृति ३

दीक्षायदान

मूलनाकृति ३ वतमाचन

मृगिलाकृतकालमात्र

रुय ॥ १ ॥

जुं० कवचनाकृति ३

विवाहायमात्र ॥ ॥

मधुयक्तवस्तु

जुं० कवचनाकृति ३

समावसगावृत्त्यकाल

यावद्वाय ॥ १ ॥

जुं० गिरसाकृति ३

रुगिनियदान ॥ ॥

जुं० गिरसाकृति ३

मृगिनियदान ॥

मृगिनियदान ॥

जुं० ३ ददयनाकृति ३

हासायदान लूचन

वस्त्रादि वधावन द्वाय

द्वाय रीतिजा द्वाय ॥

जुं० ३ ददयनाकृति ३ चतुर्थी ॥

जुं० ३ मूलनाकृति यतिस्तु ॥

सरु, म्नायधि, यतिस्तु

लाजा मृष्टिका सरु ॥

जुं० ३ मार्कण्डेयिदिगिद्वंति

तयगुर्व्वर्ण रीतिदीनवा

त्मा, धारायासादिमाहय

रुतिरगवतीवागिनीदीक

मण्डलेश्वरमूलनार्थव

सकलसगर्णकियूकादि

सर्वयज्ञधुर्धुसूक्त्यादि

तदगविधिनामयतिष्टास

दातु ॥ रुतिदगक्रिया ॥ ० ॥

॥ रुतिदगक्रिया ॥ ० ॥

॥ रुतिदगक्रिया ॥ ० ॥

॥ रुतिदगक्रिया ॥ ० ॥

॥ रुतिदगक्रिया ॥ ० ॥

॥ रुतिदगक्रिया ॥ ० ॥

॥ रुतिदगक्रिया ॥ ० ॥

॥ रुतिदगक्रिया ॥ ० ॥

॥ रुतिदगक्रिया ॥ ० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वामदक्ष
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नामायूढ
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ गिरिसि
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ द. करु
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वाम. रु
धनमशाङ्गादि कला ७
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वाम. रु

तातः च विंशति तत्त्व न्यास ॥
 जैङ्ग आना तत्वा ययादुर्का ॥
 जैङ्ग आना तत्वा धिय तथ व
 द्वायायादुर्का ॥ १ ॥
 जैङ्ग आना मूर्क्य आना मूर्क्य धि
 यतथ मूर्क्ययादुर्का ॥ २ ॥
 जैङ्ग वद्वि मूर्क्य वद्वि मूर्क्य
 धियतथ यगुयतथयादुर्का ॥ ३ ॥
 जैङ्ग यडमान मूर्क्य यडमा
 न मूर्क्य धियतथ डगाययादु ॥
 ४ ॥ जैङ्ग अर्क मूर्क्य अर्क मूर्क्य
 धियतथ नूदाययादुर्का ॥ ५ ॥
 जैङ्ग अर्क मूर्क्य अर्क मूर्क्य
 धियतथ रुवाययादुर्का ॥ ६ ॥
 जैङ्ग अर्क मूर्क्य अर्क मूर्क्य

यतयं लीला नायया दूका ॥ १ ॥
 जै ॐ नमः कथं नमः कथं नमः
 यतयं मल्ल दवायया दूका ॥
 जै ॐ नमः कथं नमः कथं नमः
 तय रीमायया दूका ॥ २ ॥
 तुं तिया ददिना रा ॥ १ ॥

जुंअ विद्यातत्वाय विद्यातत्वाभि
यतय विष्णु कयादूका ॥ १५ ॥
दूर्ध्ववत् सर्वनाम्नादिशीवान् ॥

जैङ्गिततत्त्वावगिवतत्त्वाधि
 यनयनूदाययादुकाधूड
 यामि गयधूवविन ॥ गीतादि
 ललातार्क ॥ ० ॥

जैवकाणुमूल्ययादूका
खकाणुमूल्यधियतय
यरीवकाणीयादूकानिनस्था
इविन्यम७ ॥ ० ॥

यथादवस्यमूलवर्णगन
साधनं ॥ यथादवस्यमूल
मकुण्डीवीयासमूलमकुण्
युष्मि ॥ मूलमकुण्डीवीयास
ष्टिकाभरुयनिवा ॥ ० ॥

यतिविकल्पः ॥ दकनञ्ज
रिषकयाय ॥ ० ॥

वतीयतसाधनाधर्मदेन
कवतीयति ॥ ० ॥

अथजीवन्वास ॥ ० ॥

मर्वागमपूज ॥ मर्मगतव
लोपा ॥ श्रीमवका ॥ अकिमु

ग ॥ डयदगकुमनडा ॥ व्यास

॥ धनाधारान्यास ॥ अथडीव

यतिवामकस्य ॥ वक्रविष्णुम

रुग्णनयय ॥ गायत्री ॥ कृष्ण

डीवयतिव्याधवताया ॥ रुद्र

यवीडं मारुगकि ॥ जीवाक

रत्नविनियोग ॥ १ ॥

नैकीणी ॥ नैकीणी ॥ नैकीणी ॥

नैकीणी ॥ नैकीणी ॥ नैकीणी ॥

नैकीणी ॥ नैकीणी ॥ नैकीणी ॥

नैकीणी ॥ नैकीणी ॥ नैकीणी ॥

नैकीणी ॥ नैकीणी ॥ नैकीणी ॥

नैकीणी ॥ नैकीणी ॥ नैकीणी ॥

नैकीणी ॥ नैकीणी ॥ नैकीणी ॥

नैकीणी ॥ नैकीणी ॥ नैकीणी ॥

हिमलधूमवित ॥ १ ॥
दवकुकिम्राज्ञाति ॥

दीक्षावियदातसाथ ॥ विय ॥

॥ अथमिन्नका ॥ विष्णुकर्मा

पुडा ॥ चन्दनादियुययज्ञाय

वीत ॥ अथमिन्नका ॥ विष्णुकर्मा

य ॥ अथमिन्नका ॥ विष्णुकर्मा

द्वयाचार्यविदीकवमीयड ॥ मा

नम्यथियकीत ॥ अथमिन्नका ॥

कन्यत्वादि ॥ अथमिन्नका ॥

अथमिन्नका ॥ अथमिन्नका ॥

अथमिन्नका ॥ अथमिन्नका ॥

अथमिन्नका ॥ अथमिन्नका ॥

अथमिन्नका ॥ अथमिन्नका ॥

अथमिन्नका ॥ अथमिन्नका ॥

अथमिन्नका ॥ अथमिन्नका ॥

अथमिन्नका ॥ अथमिन्नका ॥

अथमिन्नका ॥ अथमिन्नका ॥

अथमिन्नका ॥ अथमिन्नका ॥

अथमिन्नका ॥ अथमिन्नका ॥

अथमिन्नका ॥ अथमिन्नका ॥

अथमिन्नका ॥ अथमिन्नका ॥

अथमिन्नका ॥ अथमिन्नका ॥

हर्म। नर्वनरुमकादवी सुय
नंदवहादव॥७॥ दवमकुग
दयगिदवीमकुगदवती ॥
दवदवगवादीव ददयके
लग्नीत॥८॥ डप्रीयं सुय
हलीका दवमयनकमग॥
यादवागवाकाशदवीदद
यतद्युट् ॥९॥ डप्रीयभुलिका
सुय विद्यायी० कर्मविदु॥
यतिभुतासिदवसिभूयनि
भारवविर्य ॥१०॥ सानिभू
यतिभयनयजमानायिदुद
य। गनाभुद्वियदनिर्त्यगना
भुववभुमद ॥११॥ गनाभु
मर्चलाकानागनावाकाशे
वव। यजमानसमृत्त्ययय
भुदुलमवाधव॥१२॥ वक
भुसर्वद्विगसर्वदायनमा
नम॥ यावच्चल्यभुभूयपि
मदिनीसकसागवा ॥ यावदा
कागभूमावतावत्तुशुभुवा
रव॥ यावच्चल्यभुभूयनमा
कगिगदेलावरु॥१३॥ ॥



१६३७ सांसाहोती कुंजादि

खंवादाश

म्राकयून

१७ डि एला १००

Handwritten text in Devanagari script, mostly obscured by ink smudges and bleed-through from the reverse side.

ASHA ARCHIVES 3319

Handwritten signature or name in Devanagari script.

Handwritten text in Devanagari script, possibly a date or reference.

मय	मै	मै	मै
मै	मै	मै	मै
मै	मै	मै	मै
मै	मै	मै	मै

Handwritten text in Devanagari script at the bottom of the page.

Handwritten text in Devanagari script, including names and possibly dates.

Handwritten text in Devanagari script, possibly a title or heading.

गावल्ह विर्वकारं मुनिमुप
॥ ३ ॥
श्रीमद्विष्णुसुतानामव
॥ ४ ॥
॥ ५ ॥
॥ ६ ॥
॥ ७ ॥
॥ ८ ॥
॥ ९ ॥
॥ १० ॥
॥ ११ ॥
॥ १२ ॥
॥ १३ ॥
॥ १४ ॥
॥ १५ ॥
॥ १६ ॥
॥ १७ ॥
॥ १८ ॥
॥ १९ ॥
॥ २० ॥
॥ २१ ॥
॥ २२ ॥
॥ २३ ॥
॥ २४ ॥
॥ २५ ॥
॥ २६ ॥
॥ २७ ॥
॥ २८ ॥
॥ २९ ॥
॥ ३० ॥
॥ ३१ ॥
॥ ३२ ॥
॥ ३३ ॥
॥ ३४ ॥
॥ ३५ ॥
॥ ३६ ॥
॥ ३७ ॥
॥ ३८ ॥
॥ ३९ ॥
॥ ४० ॥
॥ ४१ ॥
॥ ४२ ॥
॥ ४३ ॥
॥ ४४ ॥
॥ ४५ ॥
॥ ४६ ॥
॥ ४७ ॥
॥ ४८ ॥
॥ ४९ ॥
॥ ५० ॥
॥ ५१ ॥
॥ ५२ ॥
॥ ५३ ॥
॥ ५४ ॥
॥ ५५ ॥
॥ ५६ ॥
॥ ५७ ॥
॥ ५८ ॥
॥ ५९ ॥
॥ ६० ॥
॥ ६१ ॥
॥ ६२ ॥
॥ ६३ ॥
॥ ६४ ॥
॥ ६५ ॥
॥ ६६ ॥
॥ ६७ ॥
॥ ६८ ॥
॥ ६९ ॥
॥ ७० ॥
॥ ७१ ॥
॥ ७२ ॥
॥ ७३ ॥
॥ ७४ ॥
॥ ७५ ॥
॥ ७६ ॥
॥ ७७ ॥
॥ ७८ ॥
॥ ७९ ॥
॥ ८० ॥
॥ ८१ ॥
॥ ८२ ॥
॥ ८३ ॥
॥ ८४ ॥
॥ ८५ ॥
॥ ८६ ॥
॥ ८७ ॥
॥ ८८ ॥
॥ ८९ ॥
॥ ९० ॥
॥ ९१ ॥
॥ ९२ ॥
॥ ९३ ॥
॥ ९४ ॥
॥ ९५ ॥
॥ ९६ ॥
॥ ९७ ॥
॥ ९८ ॥
॥ ९९ ॥
॥ १०० ॥

दधाम्बुवरावकावगडुलिहाम्बु
धिवरावधुजाजुदिनधना ॥
यथादवम्यदवाचनं ॥ यवाच
नकामगमवधामाकृति ॥ ७ ॥
मूलनमर्याकृतिः ॥
ततः ४ धाम्बुदवाचनं
यधुयातनं ॥
तताजुग्रीसं ॥ द्वागममासीय ॥
युडनादि ॥ तयगिं मसिजु
स्राधिकगर्त १०८ ज्जावमाल
का ॥ ० लाहथ ॥ लूयुतवागि
व ॥ वठखुनिमावा २ ॥ दार्क २ ॥
मसिजुसुनायुदगं ॥ विमूनज
वय ॥ मूलनडय ७ धाव २ १ ज्ज
थयधुधवावाय ॥ युर्दमजुव ॥
॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

गवाग ॥
मधु ॥ विनासा ॥
॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

गिनज्जामलुणजयवयाव
दाय ॥ सुखाशयाकावज्जलि
वलिद्युतमाहिल्यनमूलन
युष्मवाक् ॥ ॥ नैऋदिग्वा
वैवससुंगजवदूकसरु
मुणुलमणुलवा कृतयी ॥
ययी ॥ ० मगणगणयूतमणुल
विम्वक्क ॥ जूझयूकवदू
मूलिवलिमहिल्ययवयाकाव
यूकसिठुशामवदवाकलन
मूखयूतयाठुकुडुधुवीव ॥ १ ॥

यसादसमयवीरुडनदत्ता
उठतिमांमाहिल्यसमाय ॥

मथडवधाय लाडसमिध या
यस दध्यादन गुणदन जा
म्वीय धीरुल नालीकल वृथ
कण यधकण ममूख गाथ
य यियेगु गुमुलि चन्दन की
कृत कथे मूल रुल गाथ
लयकान इविकाग वदवी
उंका मृतावयी खनिलि व
कतिलमिणीरामय ॥ ० ॥

दगावादि ॥ दगवलि

मावाथयुडन ॥
य दीयवकिवाकाम ॥

गानिकाकृति ॥ नैऋ गानिके
वकविदीदितिवधिवतथा
नियनायधीधुविधुदवाधुग
निधिविधिवधिवनावक्रिबुडा
मुगानिके ॥ वाणयस्यम्य १ यसा
नियविगानिधरुविह्ववसारु
गसव १ गान्वाकृत्वावययीव
गुवकविधिन गानिकेयुधुमिद्र
यावाका ॥ ० ॥ १ ॥

यष्टिकाकृति ॥ दवान्मर्युजयारथा
रुविविधिकमलायावृतीकृन्ध
माठ डिधुद्वेवनाथामनसि
इदयेवा मंगलाष्टोषधीग १ त
व १ कवदुयष्टिधनमूतवनिता
मयूतामवद्वारि यष्ट्याकृत्वाव
यष्टुगुवमूखविधिनयष्टिधुधु
कृतन ॥ १ ॥ - ६६३३३ - ॥

० नैऋ नूतय १ म्वाका ॥
नैऋ नूतगावका शगामि
खाका ॥ नैऋ मूतिविकाका
मिवाका ॥ नैऋ मूनाकागिय

दाहार्तिस्तस्यैकियतसमवाहः॥

मूथमलुवलिदायय० ॥

वरिचलियाठ२वसयीत

काठशायमाल॥ कृषुया

ग्राभयकागमथायनायाय॥

धूडनमल॥

नैडरौबूदयवाहः॥ धूव॥

नैडमाहयवाहः॥ दक्षिण॥

नैडरौगणयवाहः॥ दक्षिण॥

नैडरौयदयवाहः॥ डकन॥

नैडरौयदयवाहः॥ डूडी॥

नैडरौममयवाहः॥ मूमी॥

नैडरौबकयवाहः॥ नैम॥

नैडरौनागयवाहः॥ वायो॥

नैडरौतदयवाहः॥ मथ्य॥

नैडरौवागियवाहः॥ डूडी॥

नैडरौविषयवाहः॥ मूमी॥

नैडरौकुरुयातायवाहः॥ नैम॥

नैडरौवपूगानिलया॥ मथ्य॥

नैड॥ धूतमलुवलि॥ वरिच

लि॥ नैड॥ डूडयवाहः॥

नैडरौममयवाहः॥

नैडरौममयवाहः॥

नैडरौनैमयवाहः॥

नैडरौवपूगानिलया॥

नैडरौयवनायवाहः॥

नैडरौउयवायवाहः॥

नैडरौडूडीनायवाहः॥

नैडरौवकयवाहः॥

नैडरौविषयवाहः॥

नैडरौकुरुयातायवाहः॥

नैडरौवपूगानिलया॥

नैडरौवपूगानिलया॥

नैडरौवपूगानिलया॥

नैडरौवपूगानिलया॥

नैडरौवपूगानिलया॥

नैडरौवपूगानिलया॥

नैडरौवपूगानिलया॥

नैडरौवपूगानिलया॥

नैडरौवपूगानिलया॥

नैडरौवपूगानिलया॥

नैडरौवपूगानिलया॥

नैडरौवपूगानिलया॥

नैडरौवपूगानिलया॥

नैडरौवपूगानिलया॥

नैडरौवपूगानिलया॥

नैडरौवपूगानिलया॥

नैडरौवपूगानिलया॥

नैडरौवपूगानिलया॥

नैडरौवपूगानिलया॥

नैडरौवपूगानिलया॥

[illegible]

याज्ञिके ५

[illegible]

॥ १ ॥ चन्द्रमन्त्राय नमः ॥ अदिद्यादिगुरुणावमतिरुविमदाजन्मधवाग्रयूक्ता। नन्वाथागम्ययैतिथ्यागगु
 र्यवदूर्कं मुकुलेतेसाहकाच मिद्धि। एथाददाहुरुवमुमगीयरूयुण्मिशामु ॥ ॥ यथवायक
 नागगुरुणासकलाश्रुगवद्विगवा। यववायिचमामिधिगणसकलाथचनक्षयाग ॥ ॥ यत्नमाकर्षव
 ला। अकचरगययगावर्णसूगीवचण्मृदा। मयीतंमरुतिर्यनिब्रजमुखयदंसनुतगज्जलक्षी ॥ ॥
 कालवर्षहमद्याशक्तिविषयिचमदागस्यसंयुपेद्रता। ददरू ॥ ॥ संयुविपा ॥ सकलनृयतिजाधस्तवेवियजा
 धा। सर्वातीयालनचशवतिमृष्टतिजाकाचगम्ययूक्ता। निद्यात्मारुघमादनिवसहसतर्तम्यजायूध
 मरू ॥ ॥ सप्तप्रक्रवकासधमिगयवमणिर्वगक्रियर्कवामग। सर्वोन्नानेनिवानानममतिमुनूतने

ज्ञानगम्ययुमिद्धं। दवीदवेकालीनकुलमकूलमययागिनांयागमंस्तु। सर्वस्मिन्मर्जितवैभक्तनमूखकनंनोमि
 रूंदरखजानं ॥ ॥ न्यममकूणुमाथीसतलखणवयवद्विकूणुषभाय। गणधिनदिपूष्वेद्वदययगुगय ॥
 गकिमयागकमर् ॥ ॥ डाडावूकाचवदीदिगयतिमगलेरुनर्वचासूक्ष्मयागिगार्हसूक्ष्मवदूकगतिया
 तुमजिनवदं ॥ ॥ यायादूदाम्यवादिडवकूमनिजाकाद्यगुकाणकिचिन्दुदीकागीयेगकण
 नूडतनूविडयंयिगगुर्दक्षानर्क। पर्यथाईअनर्कयूतकुडगद्वयविन्दुसूक्ष्मीगज्जलक्षी ॥ ॥
 चकालयतवगयसरुयादमरुससूक्ष्मी ॥ ॥ दद्यातदूयवर्णुवकायधनकनंथवकण्ठवक ॥ ॥
 र्वजथायनिष्कयमूदिगवदनीसमिधवतीविचिन्ना। मन्त्रित्वाकूणुमध्वकामलविकगितंमध्वपद्वमस

मृसाधवीकुडिद्वयीवक्रविधरुतवायाछुमंग्रिगकि॥

॥ कल ॥ ॥ अवाभ ॥ ॥ दृवीनीयुनमयिच
यटे ॥ यत्नवे ॥ कुमुमुक्तिगिगकीनेमीथोये ॥ कुमरुतमूर्गक्षेयधीवीदिनने ॥ दीयेनुकाकनाइ
संतयत्नवसुहृष्टिसिद्धनइद्वायूथेनेवद्यथ्ये ॥ सुकलडविधिकर्तनमदृष्टुं कुरु ॥
नागयकादि ॥ यन्दिनीयकायल्लणीनक्षीगणधवता ॥ मृनाधियममर्क ॥ कथावेसतर्तनम ॥
वत्तिरुडावनज्ज ॥ दिनममर्क ॥ ॥ रिदवादि नवात्मा ॥ काममूलमृन ॥ मीरुमाया ॥ एीसंवर्क ॥
गावन्दीबलुदाग्या ॥ वियामृाहोवावमन्ति ॥ यागाकागखिलाद्याव ॥ मृहाद्यायुधिवीतिथ ॥
यदिधायाभिपयऊ ॥ आचार्यम्यविणयत ॥ मकुमूडाविकीनधुमर्गय ॥ नकायत ॥ ॥ माणाकवादि

हीनत्वायवर्गादिविषयत ॥ धुविणीलादिर्जलन याऊन ॥ वदभमृाद्युद्धनविथरही
ननदोहिनी ॥ कुरुमर्हसितलर्व कुरुनुनिवमर्गल ॥ ॥ मर्कमृनुनिनीतनीसृष्टिनीविधम
याथादया ॥ गडानश्यनियानयनुवमृधममृिनामर्चका ॥ कालमर्कतिवर्धिनाडलमृव ॥ सनुय
उपयूथदाभायकाद्यनदृष्टिर्वाधवमृद्धमासीयुमादांमृदा ॥ ॥ याथाकंथादि ॥ अर्गभदि ॥
दवकलमे ॥ अर्गेअणीच्चिदि ॥ यावनडलनमृरुधिकादिचन्दनादिअणीच्चिदि ॥
दूमावाचनः ॥ ॥ बाणीयाग ॥ यवचनृणमथ ॥ ॥ तग ॥ यागमृानादिनित्यकर्मनेम
तद्वाचनृतवलि ॥ पूर्ववद्विधमर्नद्वानाचन ॥ ॥ मृलिनाचन ॥ ॥ द्वागार्चनकमनज्ज ॥ ॥ अवादि

मूकति ॥ दवाचर्चन ॥ दवाचर्चनखामन मूकति ॥ यवधान्यादि ॥ आचार्यपूजन ॥ गानिकयधिक ॥
 गणायडमान दगायार्ग ॥ दग्मयादि ॥ अखाकति ॥ दक्षिणदान ॥ ॥ पुण्य ॥ अर्भमा ॥ यमक
 लसंविमर्जन ॥ उक्तामूकणविसर्जन ॥ यणीतारिषक ॥ कायद्वयं कुर्यात् ॥
 यकानक ॥ अमृदूर्वगर्ग ॥ न्यास ॥ अमृतकृष्णविमर्जन ॥ यडमानमृमिकोयविमृय ॥ नि
 वृद्धनादिमृचूर्ण ॥ वसुविय ॥ कलमाजिषक ॥ चन्दन सिद्धन भारुनी सगुण यवमृय
 दामान ॥ कलमझाय ॥ मृजितिलिज्वलाकनयाय बज्रहृषुवियझाय ॥ भरुओयथियति
 द्या ॥ यक्षयक्षणीधायमनयक ॥ ग्रीलक्ष्मीझाय ॥ ईश्वरिस्वाध्याय ॥ क्रमागर्जन ॥

अरिषकादि समयराश्र ॥ करंकार्क ॥ अथचतुर्थितिविधिरामयायचणुयुजादियुष्म ॥
 कामावीयुज ॥ ॥ राश्रकरंकार्क ॥ ॥ हुंति कूडागियतिश्रविममार्क ॥ ॥
 अथचतुर्थिदिनविधिवक्त ॥ अद्यादियादार्ध ॥ यथ्यजानत ॥ कलगपूजन ॥ यथेकयकानग कूज
 मिविधिकायथ ॥ कलगपूजनादिमूकति ॥ हुंल्यदिताकयातगणगुनू ॥ चतुर्थी ॥ मृतामक ॥ कीनका
 मृकचतुर्द्वि ॥ अग्निपूज ॥ नन्दादि ॥ काममगुल ॥ मृममकुण मूकति ॥ मृतदवज्ज कति ॥
 आचार्यनिवृत्त ॥ मगुय ॥ वाक् ॥ निंदामयापूर्वधूममृयनन्दाद्यार्थचदवता ॥ मूयितमृखदायानि म
 याअश्रविमर्जन ॥ वृद्धिर्नयरूतिमालि रक्तिचिचनूर्कत्वया ॥ चणुधवायधवाय यियतांगगवान्निव

॥ शान्तिपूर्वकं निर्वर्णयन् यो यो विदुर्न । राजा विजयमाप्नोति सर्वसिद्धिफलयुतं ॥ ऐ५ मयि शश्वत्ति शश्व
 त्सि मयि तिष्ठति तिष्ठति । विमृश्य त्वे विमृश्य त्वे मयि गच्छति गच्छति ॥ मण्डपय त्वे द्वे द्वे ॥ ममाक्षकं ॥ कीन
 का ॥ अग्निविसर्जनं ॥ नैवेद्यादिनिर्माल्ययुजनं ॥ न्यासादिपूजा ॥ दद्यादियदुग ॥ मूनामन्त्रिता ॥ मे
 द्यं दीप्यं चैव च ॥ श्रीकृष्णकेशवनिर्माल्यवन्दे श्वराय पादुकां यदुग ॥ चन्दनादिधूपय दीपय ॥ आहुति ॥
 जायन्ते ॥ युज्यन्ते ॥ तय कृन्निर्माल्यं ॥ अन्नगंधादि ॥ समयादिनिर्माल्यं ददेत् ॥ तस्माल्यं विदुः सज्जनं ।
 एकानदी सभर्यते ॥ दृडा रुणाय ॥ एकयथा मृगानं द्वियेत ॥ यथा विधनेन देवयूजनेन देवार्धनेन ॥ देवा
 र्धनेन कमेनाहुति ॥ यथा विधनामानको ॥ संस्थाहुति ॥ यवधान्य ॥ शान्तिकयुद्धिक ॥ दीपय वृत्तिका

देवावति ॥ पूर्णा ॥ आसंसा ॥ विसर्जने ॥ अग्निषेकचन्दनादि ॥ शान्ति ॥ आग्नीर्घोष ॥ कुमारीपूजा ॥ स
 मय ॥ नो ज्यकरं कानं ॥ इति चतुर्थी विधिसमाप्तं ॥ ० ॥ कौशंडुतवाक्य ॥ मया कृत्वा मुश्वको नानु
 वर्णयति निर्मिति ॥ सर्वलक्षणां संपूर्णं सर्वरत्ने रत्नं कृतं ॥ सर्वान् कारसो नाद्यं सर्ववयवमं हितं ॥
 कोनादानमिति स्थानं यथेति केतामरेश्वरी ॥ ० ॥

श्रीवक्त्राणी ॥ कामाह ॥ वर्णको ॥ यद्विष्णुर्नां यात्रा ॥ यद्विष्णुः ॥ यद्विष्णुः ॥ यद्विष्णुः ॥

ली ॥ अत्रय ॥ मयि माय ॥ कानि स्याय ॥ वीकयुगय ॥ यद्विष्णुः ॥ यद्विष्णुः ॥ यद्विष्णुः ॥ यद्विष्णुः ॥
 देवक ॥ ॥

ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥ श्रीदा विविध विधानां सूत्राणि ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥
 यादुका ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥
 गुणयानिरसकृजानि ॥ ऐं रुले ॥ षडंगेन घृताभुति ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥
 गुणयानिरसकृजानि ॥ ऐं रुले ॥ षडंगेन घृताभुति ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥
 ज्यमण्डलं कर्त ॥ गंधवारिणा ॥ उंसो धिता पृथिवी ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥
 मुकतं दुष्टैरयि ॥ दुरुजाममयायाय ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥
 ते ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥

विविधाकारजायते विविधकृते ॥ तन्मूर्ध्वं शीमांतां दोषं रत्नं नु निवस सर्वदा ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥
 ननु मण्डनाय २ ॥ मधुसखा नते ॥ रत्नं यथै रत्नं ३ ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥
 यकाववाय ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥
 त्यामायावके ॥ त्रयानुअर्धयात्र घृताता रुडयं सा ॥ केवाय ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥
 २० ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥
 इत्यादि ॥ मधु ॥ रुले ॥ षडंगेन घृताभुति ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥ ऐं पनमः शीकुडिकोयै ॥
 भृगदीये नैवद्य ॥ फलपुष्पाता नुनादि ॥ अर्धद्विगुमुवर्णगर्भ ॥ अर्धद्विगुमुवर्णगर्भ ॥ ३ अर्धद्विगुमुवर्णगर्भ ॥

मय्यीसर्वतोमुत्तरे ॥ इत्यादि १० यिथे ॥ खद्याणादि ८ यथे ॥ वक्र ॥ रुलेमले दुंथे ॥ अणकणवपू
 का गणनवान्माकर्मसूत्रस्तम्भान् ॥ मकलताडित्थं ॥ इतिगुप्तमण्डितविधि ॥ ॥ सुवृणामागयोगकर्म
 चर्चनीयत्वा ॥ कालसकम् ॥ नगयटपूजनं ॥ नैजहो नगयाययादुर्का ॥ वलिज्वाद्यधनमूर्त्तय ॥
 दककाष्टकालगोर्त्तयूजनं ॥ नैज मिहसनाययादुर्का ॥ ज्ञोदुसनाययादुर्का ॥ नैजज्ञोर्त्तय
 द्वादयादिषडंगन ॥ ज्ञावाद्यधनमूर्त्तय ॥ ज्ञावटकायवर्त्तयगुद्र २ स्मारा ॥ ज्ञाविवटकायवर्त्तयगुद्र २
 स्मारा ॥ वाक्कणसत्रगृहकर्मगुनि १२ ॥ अर्गवर्मिर्गुनि १० ॥ कणि ॥ वर्गगतामिर्गुनि ८ ॥ वैश्व ॥ ज्ञा
 विज्ञानमिर्गुनि ११ ॥ अशाग्रणीसिर्गुमा लद्यावमत्ताक दककाष्टकधृजा ॥ ० ॥

अगकयूजनं ॥ जयद्यासनाययादुर्का ॥ नैज ज्ञोर्त्तय ॥ अद्यावास्मायर्त्तय ॥ वलिधूयताये
 वमकुणपूजनं ॥ ॥ लूयवर्त्तय ॥ कृकायजनयूयावद्विष्टयचासुतमानपूजनं ॥ अद्यावज्जवती
 सिन ३ ॥ ज्ञोर्त्तय ॥ द्वदयायवर्त्तय ॥ नैज ज्ञोर्त्तय ॥ अद्यावज्जवती ॥ ज्ञोर्त्तय ॥ अद्यावज्जवती ॥
 नैज ॥ ५ ॥ अद्यावज्जवती ॥ नैज ॥ अद्यावज्जवती ॥ नैज ॥ अद्यावज्जवती ॥ नैज ॥ अद्यावज्जवती ॥
 ॥ ५ ॥ अद्यावज्जवती ॥ नैज ॥ अद्यावज्जवती ॥ नैज ॥ अद्यावज्जवती ॥ नैज ॥ अद्यावज्जवती ॥
 रुद्र ॥ १० ॥ ज्ञावज्जवती ॥ अद्यावज्जवती ॥ नैज ॥ अद्यावज्जवती ॥ नैज ॥ अद्यावज्जवती ॥
 नैज ॥ नैज ॥ अद्यावज्जवती ॥ नैज ॥ अद्यावज्जवती ॥ नैज ॥ अद्यावज्जवती ॥ नैज ॥ अद्यावज्जवती ॥

शुभाभिमन॥ निं० अँ अँ अँ सी सखवतगणनामलि२ अँ अँ अँ द्रुद्राक॥ निं० रुं वरीणी जअघानाय पादु
 डयथसद्यानाययाधू॥ जआननुयाययाधू॥ जआनामुखीयाधू॥ जशीमाययाधू॥ जशीमानाययाधू॥
 जवसन्येयाधूडा॥ यिवन्येयाधू॥ जविद्यनाययाधू॥ मूधानाष्टनवन्तिजाय॥ १०८॥ आवाङ्मययदीय
 (येमूसदा॥ संखयुडन॥ ॥ संगणस जायकुणमृगंधादि॥ ॥ एवग्रनछिग्गनिर्विकुन॥ अग्नि
 नाह्वकाद्यायसत्सखधवर्थतामातरु॥ यक्षर्महतसर्वभावकंपान॥ एवंग्र्यानिर्विकुनदीयमारु
 वका॥ गतशशिषामोधनयाय॥ वर्कुन्यास॥ मृगं न्यास॥ कर्कशास्त्रेयाधू॥ उज्जा
 दययादिषष्ठं गणसाधनं॥ जिखा विन्दु इति ३ त्राशे ४ गुप्त ५ जानो ६ यादो ७ रुम्को ८ धतथाम

[illegible]

२॥ वैकुण्ठं धर्मं लीनं भूमीमनिष्टं वकता किनीयमनिष्टं वकचक उरगयधनय रुयादका ॥ नात्रि ॥
 ३॥ अनारुगका किनीय अनारुगक कखगद्यक चकुड ३८० याइ ॥
 द्वाद्वि ॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥ ११॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥ १८॥ १९॥ २०॥
 २१॥ २२॥ २३॥ २४॥ २५॥ २६॥ २७॥ २८॥ २९॥ ३०॥ ३१॥ ३२॥ ३३॥ ३४॥ ३५॥ ३६॥ ३७॥ ३८॥ ३९॥ ४०॥
 ४१॥ ४२॥ ४३॥ ४४॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥ ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥
 ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥
 ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

॥ मूलवर्गं गनं वृद्धन ॥ १॥ वारुनादियानि मूद्रा ॥ २॥ आर्यक ॥ ३॥ पृथ्यां जालि गणन भूय ॥ ४॥ अर्द्धी कस
 मालनीय म्ना ॥ ५॥ अर्द्धी वादका ॥ ६॥ पृथ्यां कगजार्धा दका ॥ ७॥ भूय अर्द्धी गणन ॥ ८॥ यगि वसिमा
 वारुथग ॥ ९॥ तिय पृथ्यां जालि ॥ १०॥ यून मृगीये मणुन ॥ ११॥ गिथ मृन्न ॥ १२॥ मूलवर्गं गणन भूय ॥ १३॥ गि
 थयालो सनका मावन म्ना ॥ १४॥ क वाय ता रुथ सवृद्धन ॥ १५॥ अर्द्धी दका ॥ १६॥ अर्द्धी दका ॥ १७॥ अर्द्धी दका ॥ १८॥ अर्द्धी दका ॥ १९॥ अर्द्धी दका ॥ २०॥
 गित खन ॥ २१॥ अर्द्धी दका ॥ २२॥ अर्द्धी दका ॥ २३॥ अर्द्धी दका ॥ २४॥ अर्द्धी दका ॥ २५॥ अर्द्धी दका ॥ २६॥ अर्द्धी दका ॥ २७॥ अर्द्धी दका ॥ २८॥ अर्द्धी दका ॥ २९॥ अर्द्धी दका ॥ ३०॥
 धमकुन दष्टक काष्ट ता सत ॥ ३१॥ अर्द्धी दका ॥ ३२॥ अर्द्धी दका ॥ ३३॥ अर्द्धी दका ॥ ३४॥ अर्द्धी दका ॥ ३५॥ अर्द्धी दका ॥ ३६॥ अर्द्धी दका ॥ ३७॥ अर्द्धी दका ॥ ३८॥ अर्द्धी दका ॥ ३९॥ अर्द्धी दका ॥ ४०॥
 गणन ॥ ४१॥ अर्द्धी दका ॥ ४२॥ अर्द्धी दका ॥ ४३॥ अर्द्धी दका ॥ ४४॥ अर्द्धी दका ॥ ४५॥ अर्द्धी दका ॥ ४६॥ अर्द्धी दका ॥ ४७॥ अर्द्धी दका ॥ ४८॥ अर्द्धी दका ॥ ४९॥ अर्द्धी दका ॥ ५०॥

मधुलसधानयकलिसाकयाधनकानि॥याकृतयगवक्त॥यकलियवान॥वकलिविद्यासिद्धि॥
दीपालक्षीलार॥यदासवग॥यादाकानि॥यदागपुनाग॥मधससयकि॥मरुलनतदिहायसाय
नद्वानिमाधयेरुमीयकनठव॥अधुरगभानि॥यायमाल॥॥गिद्यरुभयुजन॥रुलेसले॥
वजिर्घतयइवसागित्तायिकर॥यद्यमपुलसयुवान्नीयन॥रुथगित्तात॥नेंदासलेयुथीरिति
याचक॥गखनलुंगर्याकमलिसासदुनअर्घ॥नेंदासलेकहि॥कार्य॥दसर्घगृकान
झाक॥साग॥नेंदाअमायका॥नमझानयाचक॥गुनावाज्ञोनगित्तासदुकाय॥यथाक
तधूवदीयनगाउन॥मनु॥नेंदाअमा॥गुगित्तावलनशमयशामयशीर्षी॥नेंदाकुरुट्टाका॥

इसी॥अमनगय॥काकाय॥नमझान॥गित्तागुपूर्वविय॥गुन्यदवमविनगसीत॥॥
गखयितरु॥यवाडाकादवनर॥नेंदाकलेयुथीरिति३॥अर्घधनव॥आग॥अमायका
॥नमझान॥नेंदाअर्घिर्षीखवलननामयजामयअर्घी॥नेंदाकुरुट्टाका॥अमन३॥डाइसी॥
कावाय॥इसी॥गुन्यदवमविनर॥॥गिद्ययालाकोथमगयुजन॥नयाअधरु
गद्यमीनि॥॥तीद्यअन॥थीर्याकावखदागसागयकदम२॥नेंदासलेकमसर्घीरिति
याचक॥३॥डानावियमानुर्कीया॥मलुयदान॥निराकानूरुयाचक॥मधानलुकीन॥
सूर्ययावेधुन॥अग॥नर॥गल॥कीन॥वाकपाइयमा॥सूर्यवेधुन॥गल॥वेधु॥मण्डन

साधुर्भूता कन ॥ त्रैलोक्योपश्रुत्य ॥ युगव ॥ त्रैलोक्ये ॥ आनन्दगकिरेयवानन्दवीनाविद्यायस्य
 मरुविद्यानाड्युनीयादृक् ॥ धनगुणिसमयदीक्षादयसा ॥ वगीगीणय ॥ वगीगवर्द्धन
 वगिर्गुण्यद्वयसाधनय ॥ मीढवक्रसम मिसाखवक्रसम ॥ गुंजलियाचक ॥ वलिभून
 न ॥ त्रैलोक्यं नययद्यायवषट् ॥ नययट्छात् ॥ दवयार्गुन दक्षिणवियक ॥ गियाप्रसि
 कसम्वीकाव मूर्धन्याणलस्वनराय ॥ वक्रविय ॥ अशियकविय ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं
 नद्वानय ॥ अशियय ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥
 मारुनी सख्यमगीद्वीक ॥ रुताशियक ॥ अत्रि युनिष्ट ॥ समयदागर्ह ॥

यगुगर्ह ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥
 यगुगर्ह ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥
 त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥
 त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥

॥ बुद्ध्याणीं संसयानां दुर्गवानकानि शमस्त्रिवक्त्राणि तर्गा रुक्माग्रवक्त्राद्वर्ध्वं कालगतमयित्समद्वगुमडाद्वमालाः ।
 विज्ञाणां चानूवयामथरुनिरुयदिकयलुमृततयजकर्मिण्याद्यैकवर्ध्वोद्गीवकृतिववड्टाद्वटगार्धनमामि ॥
 मारुणंति काया तालुमनूतमनूका सीगिष्टलाग्नेयटका विज्ञाणां वाक्कदलुनिविठकिसनिजमधिद्विकाग्रमृ
 त्ना । नरेनूकाममानां गिरिवनूण्डाकाटिवद्धन्दस्वर्णगन्धाद्यैः पूजयथावृषरुमूनिर्जनित्यमानूकयति ॥
 योसाधेयिवनाद्यां मूत्रविषयदत्ता कूकुमां मुमां गकिंयाणां कृष्णयावरुतिनिडकवर्ध्वद्विषयप्रथ ।
 कालात्तालां विज्ञानानमलयनयूगामर्चयताश्चयूथैः समघर्तिकावयूकां गिस्विनियमदिग्गयगृमृननियर्णु ॥
 यक्षादिकयलुमृतमडलडलधग्नामलाग्नामूकगिद्युर्गकस्वकायान्नयवर्णमथ विज्ञानीवाक्कदलुः ।
 आसीनो वै न तथ्यतागिमयनूकटाकासिर्गाविष्मूवीनर्गगन्धाद्यैर्बर्चयथासध्मसदमूदिता नित्यमानालवकिः ॥ वागाग्नी

[illegible]

वनमितामीनदिकयलुमूल ॥ अथासिताम्रावचगुसंज्ञाकोधीगममककायालिउवव । यन्नाममथेतथीयनस्य
 मरुनसंज्ञवयडकुसत ॥ अथकुकायक्रियानकवथथावक्रिवतालकनासडिद्धो । कालकयालधुग
 रथेकायादासीमाकृतिर्येवखलूमीमम ॥ ॥ यिर्यगुग्यामीगयविकलितयागिमगिमयाल्लमछुगयीउदि
 वदनवनाधिरुगतनू । सरुसंविजार्गनयनकमलानोरुविरुयं नमठपृष्टस्यकूलिगयागिमूनयगि ॥ नमावि
 कामिताकिशुकाउमगिदुगलगतगिगता ॥ कियकरुमं । मगिमकूरयडासूगयेवकुसमववेइतेनतवकूतल ॥
 युगममदनूदक्षिणजागनीलनीलजनिरं यिरुनार्थदुलुरुकमनूगायतनरंमविसागगामूद्धलेवथ ॥ नन
 नूरनकादिगिविकटददुमुनिगितंटायागंविशार्गमडलनदशमलगतनू । यड्डालालालयलनवयलनान
 कननं विविगलनकारनदनुविधिवदानकसयार्ति ॥ गवदरुगर्गाकनिउववूर्णमधनमिगनूद्धनववधरं । मगिक

पुनगुमगंजतलं ववयागवनवयडात्वदिगि ॥ ववमववमंशुगिगकिकवर्गुविकगतनधूमनिडंगिगवि । निडदि
 ग्यानेनविधिनाथयडाकुसूतयसूखेमगिलकावधरं ॥ अथोभुयोमूर्गुयवयममवर्णधनयार्गिसमागनियक्क ॥
 यवियृतेमण्येयनिधिविडि ॥ गवार्कमंयिमांस्वककामतयूर्गमूकमंसेयडिमन्येद्वये ॥ अथदिगितमवावालयम
 यिव ॥ नगान्यागनिखगुमधितडागदूटं विनर्णरुवंसिन्दूबानूगविगर्हदिगियूजद्वुलकयानिमदा ॥ विजार्ग
 न्वनुडोयुडिउर्ययागाखमूदानकथा मभाद्वुलितविगर्हवृषगतिगन्धादिगि ॥ साधवका ॥
 दयसुडसुनिधिसमानसुरुसरास ॥ मंतिष्ठतेकूलिगयंयडाजयवामथ ॥ मूनन्यरेववनवातमककडि
 कीं गसुनसामुसतार्गिगुनवगिवाय ॥ गुमसुलुतया ॥ ॥ मथशुसासनमूमयमुद्रितमस्वीकजय
 धसूदीकोवक्राभादष्टपदमुनदिकपुववेलग्रीययागादिर्कारं । यकाष्टाविगंशययगंययगंययगं

रिगवद्गर्गगुरुवकीसंज्ञादाक्षिणवर्षुविमययनिरिगायाछुनिर्यैकमोवश॥याममशुतया॥

कलसविसर्जनं । वक्रायुधी वि ॥ अजिगाथ ॥ का द्या द्या इ ॥ अमि लोका ।
रुस धानदी ॥ कलस रिय र्य मस्य ॥ कलस द्या
॥ कलस विसर्जनं ॥ अजिगाथ ॥ अजिगाथ ॥ अजिगाथ ॥ अजिगाथ ॥
को ॥ इदयो विद्या ॥ कमानो द्या ॥ अजिगाथ ॥ अजिगाथ ॥ अजिगाथ ॥
॥ सतसरा ॥ नाथी अथमया ॥ कमानो द्या ॥ अजिगाथ ॥ अजिगाथ ॥
दया द्येन इका आय ॥ अजिगाथ ॥ अजिगाथ ॥ अजिगाथ ॥ अजिगाथ ॥

मानेद्यामीक्यात॥साझ॥ॐ॥

आदि

मृदु

मृदु

उम

मृदु

श्री

आदि

मृदु

व

मृदु

मृदु

मृदु

मृदु

मृदु

मृदु

मृदु

मृदु

मृदु

मृदु

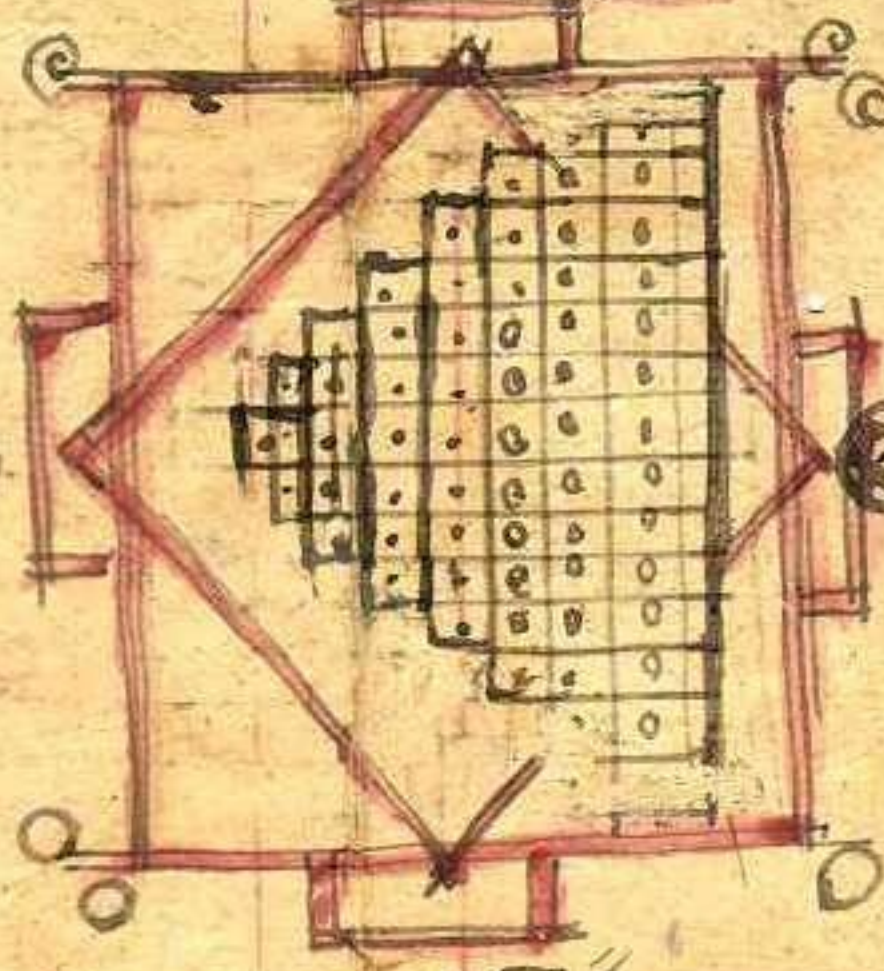
मृदु

मृदु

मृदु

मृदु

मृदु



सन्धर्गः मिनिचैव शुक्लं तद्विने ॥ श्रीवाग्पतिना जैनः चकनि क्वैवाथा द्वे स चो न स ल व त दो वा
हाया के न्पाना जुल सु धौ वा ॥ आपाना न सि वि या जु लो ॥

ॐ ह्रीं मन्त्रा ॥ ५ ॥ कलशया कवचन ॥ अचार्यन ॥ अडादि ॥ ५ ॥
॥ वरवयुजाया कलशस ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥
॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥
॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥
॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥
॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥
॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

सस ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥
॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥
॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥
॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥
॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

ॐ नमः ॥
वाधा ॥

ॐ नमः ॥ इति कथं ॥ जीवकः ॥ इति विधिः ॥ ऊरुमानः अचार्यः कलमि
नानादि धनकः ॥ यजमानस्य ॥ अथादि दूष्यराजः ॥ यजमानस्य
जीर्णमन्त्रेनाथी मन्त्रे ३ अमृकस्य जीवकने ॥ इति निमित्तं यथैवाय
॥ आधातु समर्थः ॥ अथातु सः सुखं कुरु ॥ आसे कलशसः अमृकः ॥

ॐ नमः ॥ इति यनद्वयने कर्तव्यं ॥ अथ यजमानः अथ यजमानः ॥ इति
दयाः ॥ यदवासे नवायः अथ यजमानः ॥ यदवासे नवायः ॥ यदवा
लश्यायादः सुनिमन्त्रे ॥ यथायथा ॥ यथायथा ॥ यथायथा ॥ यथायथा ॥
सादृशं यथायथा ॥ यथायथा ॥ यथायथा ॥ यथायथा ॥ यथायथा ॥ यथायथा ॥
लक्ष्मिणा यथायथा ॥ यथायथा ॥ यथायथा ॥ यथायथा ॥ यथायथा ॥ यथायथा ॥
यनः ॥ यथायथा ॥ यथायथा ॥ यथायथा ॥ यथायथा ॥ यथायथा ॥ यथायथा ॥
कलशः ॥ यथायथा ॥ यथायथा ॥ यथायथा ॥ यथायथा ॥ यथायथा ॥ यथायथा ॥

